भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 160

उत्तर देने की तारीख 03.02.2025

शास्त्रीय भाषा को मिलने वाले लाभ

160. सुश्री महुआ मोइत्रा :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) शास्त्रीय भाषाओं को दिए गए लाभों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या बंगाली भाषा, जिसे हाल ही में शास्त्रीय भाषा के रूप में घोषित किया गया है, के लिए पहले से ही कार्यान्वित और कार्यान्वयनाधीन उक्त लाभ की सूची का ब्यौरा क्या है; और

(ग) अन्य शास्त्रीय भाषाओं को भी प्रदान किए गए लाभों की सूची का भाषा-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री

(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): प्राचीन भाषाओं के रूप में अधिसूचित भाषाओं को उपलब्ध सहायता में, प्राचीन भाषाओं में सम्मान, प्राचीन भाषाओं में अध्ययन हेतु उत्कृष्टता केंद्र और केंद्रीय विश्वविद्यालयों में व्यावसायिक पीठों का सृजन शामिल है।

भारत सरकार ने विगत में निम्नलिखित भाषाओं को प्राचीन भाषाओं के रूप में अधिसूचित किया था:-

- तमिल, 2004
- संस्कृत, 2005
- तेलुगु, 2008
- कन्नड़, 2008
- मलयालम, 2013
- ओडिया, 2014

शिक्षा मंत्रालय, केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल), मैसुरु के माध्यम से प्राचीन भाषाओं सहित सभी भारतीय भाषाओं के संवर्धन के लिए कार्य करता है। इन भाषाओं से संबंधित अनुसंधान, प्रलेखन और विद्वतापूर्ण कार्यों में सहायता प्रदान करने हेतु विभिन्न संस्थाओं और उत्कृष्टता केन्द्रों की स्थापना की गई है:

- **तमिल :** वर्ष 2008 में स्थापित केन्द्रीय प्राचीन तमिल संस्थान (सीआईसीटी), चेन्नई प्राचीन तमिल के विकास और संवर्धन के प्रति समर्पित है।

- **संस्कृत:** भारत सरकार तीन केंद्रीय विश्वविद्यालयों अर्थात् केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (नई दिल्ली), श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (नई दिल्ली) और राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (तिरुपति) के माध्यम से संस्कृत भाषा को बढ़ावा दे रही है। इन विश्वविद्यालयों को 2020 में केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया गया था ताकि संस्कृत शिक्षा और शोध कार्य को सुदृढ़ किया जा सके।

- **तेलुगु:** प्राचीन तेलुगु भाषा में अध्ययन के लिए नेल्लोर, आंध्र प्रदेश में उत्कृष्टता केन्द्र कार्यरत है।

- **कन्नड़:** प्राचीन कन्नड़ भाषा में अध्ययन के लिए उत्कृष्टता केंद्र मैसूर में कार्यरत है।

- **मलयालम:** प्राचीन मलयालम भाषा में अध्ययन के लिए उत्कृष्टता केन्द्र तिरूर, मल्लपुरम, केरल में कार्यरत है।

- **ओडिया:** प्राचीन ओडिया भाषा में अध्ययन के लिए उत्कृष्टता केंद्र भुवनेश्वर में स्थित है।

इसके अतिरिक्त, हाल ही में सरकार ने 5 भाषाओं यथा मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बांग्ला को दिनांक 04.10.2024 की राजपत्र अधिसूचना के द्वारा प्राचीन भाषा के रूप में अधिसूचित किया है।

****